This question paper contains 3 printed pages. Roll No. .....

**B.A. (Pt. II)** **Hindi Lit.-II**

# 2102-II-A

# B.A. (Part-II) Examination, 2022

(For Non-Collegiate Candidates)

(Faculty of Arts)

(Three-Year Scheme of 10+2+3 Pattern)

# HINDI LITERATURE-II

द्वितीय प्रश्न-पत्र

## (नाटक एवं एकांकी)

**समय : 3 घंटे** **अधिकतम अंक : 100**

---

सभी (लघुत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही लिखिए। लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही दीजिए। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल कीजिए।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अत: परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न-पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखिए।

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) शिल्पी को विद्रोह की वाणी नहीं चाहिए, राजीव! मेरी कला में जीवन का प्रतिबिम्ब और उसके विरूद्ध विद्रोह, दोनों सन्निहित हैं। तुम उस किशोर को बुला लाओ। मेरी दृष्टि के स्पर्श से उसकी प्रतिभा की गन्ध जाग्रत होकर उसकी वाणी को मौन कर देगी। मुझे उसकी कला चाहिए। 9

अथवा

वियोग के बादलों पर सूर्य की किरणें बिखरी और कला का सतरंगी इन्द्रधनुष सारे उत्कल पर छा गया।..... कैसी विडम्बना है विशु, कि तुम्हारी टूटी हुई रागिनी का विषाद ही तुम्हारी चमत्कारपूर्ण कला का वैभव बना।

(ख) माँ ने बहुत कुछ बताया, पर सब कुछ नहीं। उसने मुझे वह शक्ति दी, जिसके बल पर नन्हा बीज धरती फोड़कर नए जीवन का प्रतीक बनता है। उसने मुझे आँचल से ढँका भी और छुड़ाया भी। उसकी ओजमयी वाणी मेरे कानों में गूँज रही है- आप लोग सुन पाते हैं? 9

**अथवा**

कैसा अपूर्व क्षण होगा वह! मेरी सारी साधना फलीभूत होकर आह्लाद और उन्माद में निलय हो जाएगी, धरती और अम्बर मेरे उल्लास को सम्भाल न सकेंगे, कोणार्क का प्रत्येक पत्थर अनन्य रागिनी को प्रतिध्वनित करेगा और शिल्पी के गौरव के आगे सारे संसार की समृद्धि नत मस्तक होगी.....।

(ग) हम अपनी आत्मा से रचते हैं और शरीर से नाश कर देते हैं कि फिर अपने सत्य से उसे सजाएँ। स्क्रीन के पीछे की आवाजें आओ, हम इसे किसी बाजार में बेच दें। मृत्यु और नाश की इस निर्दय केमिस्ट्री को छनभर में खतम कर दें कि हम इन आँखे तरेरते सवालों से बच सकें। हम वह भूली हुई भाषा याद करते हैं- **एक पत्थर .....** एक पत्ती - एक शब्द। 9

**अथवा**

यह सब क्यों हुआ? उसने मुझपर क्यों इतना विश्वास कर लिया? तुम शायद नहीं समझ सकते। यह सब विश्वास, यह सब भरोसा मैंने बारह साल के कठिन परिश्रम से हासिल किया है। क्या तुम चाहते हो, इतने परिश्रम से हासिल किए हुए विश्वास धन को मैं लोलुपता के एक क्षण में गँवा दूँ? https://www.uoronline.com

(घ) मेरा अतीत मुझे थकाता है, शक्तिहीन कर देता है। मैं निस्तेज पड़ जाता हूँ। मैं यह याद भी नहीं करना चाहता कि मैं ..... मैं एक गली की अन्धी भिखारिन का पूत हूँ अशुभ ..... निरीह ..... निराधार ..... व्याज्य! 9

**अथवा**

अच्छा है मैं न समझ सकूँ बाजोरिया जी। अब साधना और तपस्या के दिन भी तो नहीं रह गये। अब कलम की शान और विचारक की आजादी का भी तो कोई अर्थ नहीं रहा। अब तो अगर मैं आपके पत्र में हूँ तो आपका ढ़ोल बजाऊँ, उसके पत्र में हूँ तो .....

2. "कोणार्क नाटक की कथावस्तु सुसंगठित और प्रभावशाली है।" कथन को स्पष्ट कीजिए। 14

**अथवा**

'कोणार्क' नाटक की शिल्पगत विशेषताएं स्पष्ट कीजिए।

3. 'कोणार्क' नाटक में नाटकार ने मनोवैज्ञानिक दृष्टि अपनाकर पात्रों को प्रभावशाली बनाया है। इस कथन की विवेचना कीजिए। 14

**अथवा**

'विशु' का चरित्र चित्रण कीजिए।

4. एकांकी के तत्त्वों के आधार पर 'उत्सर्ग' एकांकी का विश्लेषण कीजिए। 14

**अथवा**

'ममता का विष' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करते हुए एकांकी की समीक्षा कीजिए।

5. 'नया-पुराना' एकांकी के आधार पर देवचन्द की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 14

**अथवा**

'आवाज का नीलाम' एकांकी के आधार पर दिवाकर का चरित्र चित्रण कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए :

(i) नाटककार मोहन राकेश

(ii) नाटक और एकांकी में अन्तर 8

*****